Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding reported sexual abuse of minor girls in shelter home in Uttar Pradesh and Bihar.

माननीय अध्यक्ष :आप महिलाओं के साथ हुए गलत बातों को उठा रहे हैं तो गलत व्यवहार से मत उठाओ, ऐसा कुछ भी मत करो।

…(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ): अध्यक्ष महोदया, मैं आज आपके माध्यम से …(व्यवधान) पूरे देश इस तरह की घटनाओं से, …(व्यवधान) यही इनका महिलाओं और बच्चियों के प्रति सम्मान है। मुजफ्फरपुर में 34 बच्चियों के साथ जो घटना हुई, उससे पूरा देश आहत था। उत्तर प्रदेश के देवरिया में एक ऐसी घटना हुई जो मुजफ्फरपुर पार्ट-॥ के रूप में सामने आई है। 44 बच्चियों में से 18 बच्चियां गायब हो गईं। 26 बच्चियों में एक बच्ची भागकर महिला थाने पहुंची, वहां पहुंचकर उस बच्ची ने अपना दर्द ब्यान किया।

माननीय अध्यक्ष जी, आप महिला हैं, आप सुनेंगी तो आपका भी दिल और रूह कांप उठेगी। उस बच्ची ने कहा कि बाल गृह में जब अंधेरा हो जाता था, लोग आते थे। उस अंधेरे में बच्चियों की रूह कांपती थी। कभी लाल, कभी काली और कभी सफेद लग्जरी कारों से लोग आते थे और उन बच्चियों को देवरिया के मंडल मुख्यालय गोरखपुर में ले जाते थे। …(व्यवधान) जिन बच्चियों का अभी खिलौनों से खेलने का वक्त था, उम्र थी, गोरखपुर में ले जाने के बाद उन बच्चियों के साथ खिलौनों की तरह न केवल खेला जा रहा था बल्कि उनके साथ शोषण, अत्याचार और अन्याय भी हो रहा था। मैं समझता हूं कि हिंदुस्तान का कोई भी इंसान, चाहे वह महिला हो या पुरुष, जिसके अंदर ज़रा भी संवेदना होगी, उसकी रूह कांप जाएगी।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, मैं इस बात को सच्चाई से कहता हूं, जब से मैंने यह घटना सुनी है, उसके बाद मेरी रातों की नींद उड़ गई है कि जिन बच्च्यों को गोद में खिलाने की उम्र है, उनके साथ ऐसा व्यवहार, ऐसा आचरण कैसे हो

सकता है? उस बच्ची ने जो कहा …(व्यवधान) आप मेरी बात सुनिए।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: यह क्या हो रहा है? आप बैठिए।

…(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव : क्या आपकी बच्चियों के लिए यही संवेदना है? …(व्यवधान) मैं राजनीति नहीं कर रहा हूं, मेरा किसी पर आरोप नहीं है।…(व्यवधान) एक कहावत है और यह सिद्ध हो जाएगी, जिनकी दाढ़ी में तिनका है, वे सामने खड़े हो गए हैं।…(व्यवधान) तिनका लेकर खड़े हो गए हैं।…(व्यवधान) मुझे कोई राजनीति नहीं करनी है, यह मुद्दा इतना संवेदनशील है।…(व्यवधान)

उस बच्ची ने जो बयान दिया है, उस बयान के बाद प्रशासन ने स्वीकार किया है, लेकिन स्वीकारोक्ति के बाद भी उत्तर प्रदेश सरकार गूंगी और बहरी हो गई है।…(व्यवधान) मोदी जी भी नहीं बोल रहे हैं,।…(व्यवधान) नितीश कुमार जी भी नहीं बोल रहे हैं।…(व्यवधान) योगी जी भी नहीं बोल रहे हैं।…(व्यवधान) मेरी आपसे मांग है कि जो लोग दोषी हैं, उनके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई हो ।…(व्यवधान)

यह देश के सामने आना चाहिए कि उन बच्चियों को आखिर रात को गोरखपुर में किन सफेदपोशों, अधिकारियों, ठेकेदारों और व्यापारियों के सामने पेश किया जाता था? …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपको क्या कहना है? आप बैठिए।

…(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव : माननीय अध्यक्ष जी, इसी सदन में महिलाओं के सम्मान का मामला आया, जब बेटियों के सम्मान का मामला आया। …(व्यवधान) जब दिल्ली में निर्भया कांड हुआ था, तब इसी सदन ने एकमत होकर बहुत कठोर कानून बनाया था।…(व्यवधान) अब मुजफ्फरपुर में 34 और देवरिया में 44 निर्भया हैं।…(व्यवधान)

मैं आपसे मांग करता हूं कि पूरे देश में जितने भी इस तरह के बाल गृह हैं, सबकी जांच होनी चाहिए।…(व्यवधान) उत्तर प्रदेश के मामले में मेरी मांग है। सत्ता पक्ष के लोग कह रहे हैं कि हमने डीएम का ट्रांसफर कर दिया। देवरिया के डीएम को ऐटा का डीएम बनाकर आप कार्रवाई की बात करते हैं। क्या यही कार्रवाई है? अगर यही आपकी कार्रवाई है, तो इस सदन में विपक्ष, समाजवादी लोग आपकी इस कार्रवाई को स्वीकार नहीं करते हैं। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपको क्या कहना है? आप सहयोगी बनें।

…(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव : योगी जी हमारे साथ सांसद थे। इसी सदन में कई बार उन्होंने रेप की बात उठाई। एक-एक रेप की बात पर वे सदन में खड़े हो जाते थे। आज 44 रेप उनके कार्यकाल में हो रहे हैं। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: लंबा भाषण देने की जरूरत नहीं है। आप बैठिए।

जय प्रकाश नारायण जी।

…(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव : देवरिया की बच्च्यिां सुरक्षित नहीं हैं। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

श्री जितेन्द्र चौधरी,

श्री पी.के. बिजु,

डॉ. ए. सम्पत,

श्रीमती पी.के. श्रीमथि टीचर,

श्री शंकर प्रसाद दत्ता,

श्रीमती रंजीत रंजन,

श्रीमती सुप्रिया सुले,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन,

श्रीमती प्रत्यूषा राजेश्वरी सिंह और

श्री एम.बी. राजेश को श्री धर्मेन्द्र यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

जय प्रकाश जी, आप एक वाक्य में अपनी बात कहकर सहयोगी बनें।

…(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका): माननीय अध्यक्ष जी, यह बहुत संवेदनशील मामला है, मेरा निवेदन है कि मुझे दो मिनट बोलने का समय दिया जाए।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: ठीक है।

…(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश नारायण यादव : माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे ऐसे दुष्कर्म के मामले में, जिस पर माननीय धर्मेन्द्र यादव जी ने सवाल उठाया है, उस पर बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं।…(व्यवधान) मुजफ्फरपुर दुष्कर्म की घटना की ज्वाला विस्फोटक रूप में आई है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बैठिए। अभी राजनाथ जी बोलेंगे।

…(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश नारायण यादव : देश और दुनिया में बिहार और उत्तर प्रदेश की मुजफ्फरपुर और देवरिया की घटना शर्मसार करने वाली है। …(व्यवधान) सत्ता के संरक्षण में यह पलता रहा है, बढ़ता रहा है। …(व्यवधान) आज साक्ष्य मिटाए जा रहे हैं।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपकी बात पूरी हो गई। कलराज जी कुछ बोलेंगे।

…(व्यवधान)

श्री जय प्रकाश नारायण यादव : न्यायालय से इसकी जांच कराई जाए, हम मांग करते हैं।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब कुछ रिकॉर्ड में नहीं जाएगा।

…(व्यवधान)*

माननीय अध्यक्ष: श्री पी.के. बिजु और श्रीमती सुप्रिया सुले को श्री जय प्रकाश नारायण यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

कलराज जी आप क्या बोलेंगे?

श्री कलराज मिश्र (देवरिया): अध्यक्ष महोदया, मैं देवरिया के बारे में…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: सबको नहीं बोलना है।

…(व्यवधान)

श्री कलराज मिश्र: अध्यक्ष महोदया, माननीय सदस्य ने जो देवरिया के बारे में बात रखी है, यह बात सही है कि वहां स्वैच्छिक संगठन काम कर रहा था, बाल सुरक्षा गृह को जो चला रहा था, साल भर पहले ही उसका लाइसेंस निरस्त हो गया था। प्रशासन ने वहां से लड़कियों एवं लड़कों, दोनों को हटाने की प्रक्रिया प्रारंभ की थी, लेकिन स्वैच्छिक संगठनों द्वारा, कोर्ट में जाकर कहा गया कि अभी मेरा पैसा अभी बकाया है, आदि कई प्रकार की बातें करके वे जबरदस्ती वहां रुकते थे। बाद में, उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज किया गया। एफ.आइ.आर. दर्ज करने के पश्चात छापा भी डाला गया। लेकिन, इस बीच में जो घटनाएं हुईं, उनके बारे में जानकारी प्राप्त नहीं हो पाई थी कि वहां किसी प्रकार का सेक्सुअल शोषण हो रहा है। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप बैठ जाइए। यह आपका मुद्दा नहीं है।

…(व्यवधान)

श्री कलराज मिश्र: अध्यक्ष महोदया, लेकिन, एक लड़की ने इसके बारे में चर्चा की कि हमारे द्वारा झाड़ू-पोछा कराया जा रहा है। अन्य बातों के बारे में उसने जरूर कहा कि कोई गाड़ी आती थी, ले जाती थी आदि-आदि। इसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने तत्काल उसकी जांच की एवं वहां के जिला मजिस्ट्रेट को स्थानांतरित कर दिया है। मैं समझता हूं कि

तत्काल प्रभावी कार्रवाई की गई है। लेकिन ये जिस प्रकार से इसका वर्णन कर रहे हैं, वह बहुत बढ़ा-चढ़ाकर कर रहे हैं। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को श्री कलराज मिश्र द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

ठीक है, कोई बात नहीं, होने दीजिए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: देखिए ये बातें चर्चा करने की नहीं हैं। आप सभी मेरी बात सुनें। यह जो दो-तीन जगहों से बात आई है, वास्तव में वह अच्छी बात नहीं है। मुझे लगता है कि हम सभी लोगों को जागरूक होना पड़ेगा। हर डिस्ट्रिक्ट में इस प्रकार के रिमांड होम हैं, लड़कियों के रहने के लिए स्थान हैं। मैं सभी पार्लियामेंट मेम्बर्स से कहूंगी कि जिस-जिस क्षेत्र से आप आते हैं, एक बार आप अपने क्षेत्र में भी देखें। ये बातें ऐसी हैं कि जब उजागर होती हैं, तभी एकदम से सामने आती हैं और वास्तव में यह कोई अच्छी बात नहीं है। हम सभी को इस बारे में चिंता है। मैंने यह भावना सबकी तरफ से प्रकट किया है। कृपया आप लोग इसमें पॉलिटिक्स मत कीजिए।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: कांग्रेस भी इसके साथ है, सभी इसके साथ हैं।

…(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा): अध्यक्ष महोदया, अगर हमें पॉलिटिक्स करनी होती तो कल भी कर सकते थे। … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं आपको नहीं बोल रही हूं। आप अलग से क्यों बोल रहें है? अगर आपको बोलना है, तो आप बोलें।

…(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: अध्यक्ष महोदया, इसमें पॉलिटिक्स करने की आवश्यकता नहीं है। अगर करना होता, तो कल ही कर देते। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब आप क्यों बोल रहे हैं? आप बैठ जाइए।

…(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मेरा निवेदन यह है कि यह मुद्दा लगातार तीन दिन से इस सदन में उठ रहा हूं। इस मुद्दे को श्री राजेश रंजन जी ने उठाया, उसके बाद रंजीत रंजन जी ने उठाया, आज धर्मेन्द्र जी ने उठाया और जय प्रकाश जी ने भी उठाया है। यह इतना संज़ीदा मामला है, इतना गंभीर मामला है कि मैं कहना चाहता हूं कि आप इसके लिए एक 'सदन समिति' बनाइए। जैसा कि अभी आपने कहा, चंद स्टेट्स में, जहां ऐसी समस्याएं हो रही हैं, ये क्यों हो रही हैं, इसकी वजह क्या है, क्या राज्य सरकार में गवर्नेंस की कमी है? …(व्यवधान) मैं सभी राज्यों के बारे में बोल रहा हूं। मैं किसी एक राज्य के बारे में नहीं बोल रहा हूं। …(व्यवधान) यू.पी, बिहार एवं अन्य सभी राज्यों के लिए एक 'सदन समिति' बनाइए ताकि हर जगह जाकर इसकी इनक्वायरी की जा सके। खासकर यू.पी और बिहार में जो घटनाएं हो रही हैं, उनके लिए भी उनसे विशेष अप्रोच करके इनक्वायरी करनी चाहिए। निर्भया इश्यू के लिए एक सरकार चली गयी।

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह): अध्यक्ष महोदया, सदन के माननीय सदस्य धर्मेन्द्र जी और खड़गे जी ने जो प्रश्न उठाया है, उसके संबंध में मैं जानकारी देना चाहता हूं कि इस प्रकार की घटना, अगर देश में कहीं भी होती है तो वह निश्चित रूप से बहुत ही दु:खद, दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है। यह घटना घटित हुई है, जिसका यहां उल्लेख किया गया है, इसमें कोई दो राय नहीं है। जिस प्रकार से दस साल की एक बच्ची ने पुलिस स्टेशन जाकर अपना बयान दर्ज कराया था, उसके बाद एफआईआर दर्ज हुई थी। मैं उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं उनकी सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने तुरंत…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उनकी बात सुनिए। क्या आप पूरा वाक्य भी नहीं सुनोगे?

…(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह: मेरी पूरी बात सुन लीजिए, उसके बाद आप बोलिए, मैं बैठ जाऊंगा। …(व्यवधान) उन्होंने तुरंत अधिकारियों की बैठक बुलाई और जो क्विक एक्शन हो सकताथा, वह वहां की सरकार ने लेने का काम किया है। वहां का डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग ऑफिसर, जो सीधे इसके लिए जिम्मेदार होता है, उसे तुरंत सस्पेंड कर दिया गया। साथ ही, बाल सुधार गृह की संचालिका को गिरफ्तार किया गया और उसके हस्बैंड को भी गिरफ्तार करके जेल भेजने का काम किया है। इस मामले की पूरी जांच कराने के लिए, जिससे इसकी तह तक पहुंचा जा सके, इसलिए किसी सामान्य

अधिकारी से नहीं, जिलास्तर के अधिकारी से नहीं, बल्कि एडिशनल चीफ सेक्रेटरी और एडिशनल डीजी, इस लेवल के दो अधिकारियों को जांच के लिए नियुक्त किया गया है, ताकि जो भी तथ्य हैं, वे सामने आएं।

अध्यक्ष महोदया, मैं यकीन दिलाना चाहता हूं कि जो भी अपराधी होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने तुरंत...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग बैठिए। इस तरह से चिल्लाना नहीं चाहिए।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा। केवल होम मिनिस्टर की बात रिकॉर्ड में जाएगी। Only the Home Minister's statement will go on record.

...(Interruptions)... *

श्री राजनाथ सिंह:अध्यक्ष महोदया, मैं सदन को यह भी जानकारी देना चाहता हूं कि इस प्रकार की जो घटनाएं बिहार और उत्तर प्रदेश में सामने आई हैं, उनको देखते हुए संबंधित मंत्रालय से मैं कहूंगा, मंत्री जी से भी कहूंगा कि इस संबंध में आवश्यक एडवाइजरी सभी राज्यों को भेजी जाए ताकि इस प्रकार के जो भी बाल सुधार गृह चल रहे हैं, उनकी पूरी जांच हो, जिससे प्रकार की दुर्भाग्यपूर्ण, दु:खद और शर्मनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।